आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 27.12.2024 **समय : 1905**

- **भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल नई दिल्ली में बानब्बे वर्ष की आयु में निधन हो गया।**
- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि दी।**
- **सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।**
- **शहीद द्वीप में बारह से अट्ठारह जनवरी तक विवेकानन्द मेला का आयोजन किया जाएगा।**
- **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से प्लास्टिक प्रदूषण पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

<><><><><><><><>

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल नई दिल्ली में बानब्बे वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। डॉ. मनमोहन सिंह दो हजार चार से दो हजार चौदह तक भारत के तेरहवें प्रधानमंत्री रहे। उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं। डॉ. सिंह का जन्म छब्बीस सितंबर उन्नीस सौ बत्तीस को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के एक गांव में हुआ था। डॉ. सिंह प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री भी थे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह देश में आर्थिक सुधारों के पुरोधा रहे। उन्होंने उन्नीस सौ इक्यानब्बे में वित्त मंत्री का पदभार संभाला तो आर्थिक क्रांति ला दी। देश में रोजगार गारंटी योजना की सफलता का श्रेय भी मनमोहन सिंह को जाता है। उन्होंने साल में सौ दिन का रोजगार और न्यूनतम दैनिक मजदूरी सौ रूपये तय की। भारत विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का गठन भी दो हजार नौ में उनके समय में ही किया गया। मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अमरीका को झुकना पडा और भारत की न्यूक्लियर डील को अंतिम रूप दिया गया। इसके बाद भारत हथियारों में मामलों में शक्तिशाली देश बनकर उभरा। वे राज्यसभा के तैंतीस साल तक सदस्य रहने के बाद इस साल अप्रैल में संसद के उच्च सदन से सेवानिवृत्त हुए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. सिंह उन असाधारण राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान रूप से सहजता से काम किया। उप–राष्ट्रपति ने अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री को एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बताया, जिन्होंने भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल दिया। एक वीडियो संदेश में श्री मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर पूरा राष्ट्र शोक में है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन भावी पीढ़ी के लिए एक मिसाल है कि लोग किस तरह संघर्ष से उबरते हुये उपलब्धियों की ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पी वी नरसिम्हराव मंत्रिमण्डल में रहते हुए डॉ. सिंह ने देश की आर्थिक स्थिति को नई दिशा प्रदान की। यह वो समय था जब देश आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सामान्य पृष्ठ भूमि के मूल्यों को कभी नहीं भूले। अंडमान निकोबार प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रचार समिति के अध्यक्ष टी. एस जी भास्कर और अन्य सदस्यों तथा विभिन्न पार्टी के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

<><><><><><><><>

सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्र ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। विदेशों में स्थित सभी भारतीय मिशनों और दूतावासों में भी अंतिम संस्कार के दिन राष्ट्र ध्वज आधे झुके रहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कल सवेरे साढ़े नौ बजे नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय से शमशान घाट तक जाएगी।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर एक जनवरी तक राजकीय शोक की घोषणा की है। सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार द्वीप पर्यटन महोत्सव के अंतर्गत श्री विजयपुरम स्थित प्रदर्शनी मैदान सहित तीनों ज़िलों के प्रमुख स्थानों पर होने वाले सभी मंच प्रदर्शन को रद्द कर दिया गया है। आयोजन स्थलों पर पुष्प एवं रोशनी की सजावट नहीं की जाएगी।

<><><><><><><><>

भारत के बैंकों का लाभ लगातार छठे वर्ष दो हजार तेईस–चौबीस में भी बढ़ा। बैंकों की गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां–एनपीए घटकर तेरह वर्ष के निचले स्तर दो दशमलव सात प्रतिशत पर आ गईं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत के बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है और यह बैंकों के ऋण और जमा में लगातार वृद्धि से भी उजागर होती है। बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। बैंकों की सकल गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां –जीएनपीए का अनुपात मार्च दो हजार चौबीस के अंत में तेरह वर्षों में सबसे कम दो दशमलव सात प्रतिशत और सितंबर दो हजार चौबीस के अंत में दो दशमलव पांच प्रतिशत पर आ गया। रिजर्व बैंक के अनुसार बैंकों की पूंजी स्थिति संतोषजनक है।

<><><><><><><>

शहीद द्वीप में बारह से अट्ठारह जनवरी तक विवेकानन्द मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर उनकी गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का भी आयोजन होगा। स्टॉल लगाने के इच्छुक निजी दुकानदार और व्यवसायी मेला सचिव, कार्यकारी सदस्य या मेला समिति के अध्यक्ष से फोन पर संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार कमान की ट्राई–सर्विस बैंड और वायु सेना की एयर वॉरियर ड्रिल टीम की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अट्ठाईस से तीस दिसम्बर तक मरीना एस्प्लानेड में शाम चार बजे से कार्यक्रम आरंभ होगा।

<><><><><><><><>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से प्लास्टिक प्रदूषण पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सीनियर सेकेण्डरी स्कूल रंगाचांग में कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के उप–प्रधानाचार्य श्री जॉब ने विद्यार्थियों को पारिस्थितिकी तंत्र पर प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर जानकारी दी। कार्यक्रम में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, एकल उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव और सतत विकास लक्ष्यों जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। विभाग की विधि अधिकारी आर. स्वाति लक्ष्मी ने प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रस्तुति दी। उन्होंने पर्यावरण पर एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए प्लास्टिक प्रदूषण के स्रोतों, कारणों और निवारण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से कचरे को अलग–अलग करने और इसके उचित निपटान को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंडमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति की कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता निमिषा टी आर ने भी प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की।

<><><><><><><>

प्रशासनिक कारणों से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप कल पर्यटकों और आम जनता के लिए बंद रहेगा। सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय ने इस आशय की जानकारी दी है।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के केन्द्रीय सहकारी कल्याण सोसाइटी लिमिटेड की वार्षिक आम सभा बैठक उनतीस दिसम्बर को जंगलीघाट के खेतान कल्याण मंडपम में आयोजित होगी। बैठक सुबह नौ बजे आरंभ होगी। बैठक में पिछले आम सभा की कार्यवाही की पुष्टि, दो हजार चौबीस–पच्चीस के लिए प्रस्तावित बजट का अनुमोदन, प्रबंधन समिति के लिए चुनाव जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सभी सदस्यों से इस बैठक में उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><><>

छोलदारी उप–संभाग के अंतर्गत काला पत्थर क्षेत्र में एच टी और एल टी लाईनों में जरूरी रखरखाव का कार्य किए जाने के कारण कल सुबह बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। कटौती सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक टेलराबाद, सीपीघाट, विम्बलीटान जंक्शन, छोलदारी, पोर्ट मोट, ओग्राब्रांज, नमूनाघर, डंडस प्वाइंट और टुसनाबाद से तिरूर तक की जाएगी। यह कार्य मौसम पर निर्भर रहेगा।

<><><><><><><>

सुनामी शांति सेवा संघ की ओर से पांच दिवसीय अखंड महानम कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। भातुबस्ती स्थित सब्जी मार्केट में उनतीस दिसम्बर तक भगवत कथा, कीर्तन, पदावली कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओ में प्रसाद का वितरण भी होगा।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन ने ब्रुक्शाबाद खादान क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्व अधिकारियों ने दो ट्रकों की जांच की। जांच में पाया गया कि वे बिना वैध ट्रांसिट पास के पत्थरों का अवैध परिवहन कर रहे थे। दोनों वाहनों को तुरंत ज़ब्त कर लिया गया और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इस बीच, प्रशासन द्वारा फरारगंज तहसील के अंतर्गत नॉर्थ बे क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर करीब एक हजार वर्ग मीटर सरकारी भूमि को खाली कराया गया। प्रशासन ने आम जनता से अनुरोध किया है कि वे अतिक्रमण से संबंधित सूचना ज़िला नियंत्रण कक्ष के फोन नम्बर या व्हाट्सऐप नम्बर पर दें।

<><><><><><><>